

स्वामी दयानन्द:

1. प्रश्न - स्वामी दयानन्द मूर्तिपूजा के विरोधी कैसे बने थे?

उत्तर - स्वामी दयानन्द के माता-पिता भगवान शिव के उपासक थे। प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्री के दिन शिव-पार्वती की पूजा इनके परिवार में विशेष रूप में मनाई जाती थी। एक बार महाशिवरात्री के दिन उन्होंने देखा कि एक-पूजा भगवान शंकर के मूर्ति के ऊपर-ऊपर उन पर-यद्रूपे हुए प्रसाद को खा रहा है। इससे उन्हें विश्वास हो गया कि मूर्ति में भगवान नहीं हैं। परिणाम स्वरूप, वे मूर्तिपूजा के विरोधी हो गये।

2. प्रश्न :- स्वामी दयानन्द कौन थे तथा उन्होंने किस तरह के समाजिक कार्य किए?

अथवा,

स्वामी दयानन्द कौन-कौन-से समाजोद्धारक कार्य किए?

उत्तर - स्वामी दयानन्द एक महान समाज - सुधारक संत थे। महमबाल में भारत में धुआँखून, अशिक्षा, जातिभेद, धर्म में झगड़ें आदि अनेक कुप्रथाएँ फैली हुई थी। स्वामी दयानन्द ने इन सभी कुरीतियों को दूर करने के लिए आम लोगों के बीच जाकर इस कुरीतियों के खिलौने जागरण पैदा किया। उन्होंने अपने सिद्धांतों का संकलन 'सतयार्थप्रकाश' नामक ग्रंथ में किया। इन जा्यों को करने के लिए उन्होंने 'आर्यसमाज' नामक संस्था की स्थापना की।

3. प्रश्न :- आर्यसमाज की स्थापना किसने और क्यों की?
आर्यसमाज के बारे में लिखें।

उत्तर - आर्यसमाज की स्थापना स्वामी दयानन्द सरस्वती ने 1875 में मुंबई नगर में की। आर्यसमाज वैदिक धर्म और अल्प के प्रचार पर बल देती है यह संस्था मूर्तिपूजा का पौर विरोध करती है। आर्यसमाज ने नवीन शिक्षा-पद्धति को अपनाया और इसके लिए डी. ए. टी. नामक विद्यालयों की स्थापना की। आज इस संस्था की ख. शाखाएँ प्रशाखाएँ देश-विदेश के प्रायः प्रत्येक प्रमुख नगर में अवस्थित हैं।

प्रश्न-4 स्वामी दयानन्द का मुख्य उद्देश्य क्या था ?

उत्तर :- स्वामी दयानन्द का मुख्य उद्देश्य समाज में फैले भ्रष्टाचारों का विरोध करना था। उन्होंने बालविवाह का विरोध मूर्तिपूजा का विरोध और धुआँपनासून समाप्त कराने आदि कई महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने स्त्री-शिक्षा एवं विधवा-विवाह का प्रोत्साहन दिया। उन्होंने अपने सिद्धांतों के प्रचार के लिए 1875 ई० में 'आर्य समाज' नामक संस्था की स्थापना की। आर्य समाज द्वारा उन्होंने वैदिक ग्रन्थों की 'अनुवाद्यों' के प्रचार के लिए नई शिक्षा-पद्धति की व्यवस्था भी की।

अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन उत्तरं लिखत।

- | | |
|---|--|
| (क) मध्यकाल के भारतीय समाज में अद्वैतमत - उत्तर - नाना कुस्तिरीतयः। | |
| (ख) के हिन्दु समाज निरस्तुल्य धर्मोन्नयन स्पष्टीकरण - उत्तर - दलितः। | |
| (ग) स्वामिनः दयानन्दस्य जन्म कुत्र अभवत् - उत्तर - गुजरात प्रदेशस्य टेंकरा नामक ग्रामे। | |
| (घ) विग्रहार्पितानि द्रव्यानि के भक्षणमन्त्रि - उत्तर - भूषकाः। | |
| (ङ) रात्रि जागरणं विनाम मूलशंकरः कुत्र गतः - उत्तर - गृहम्। | |
| (च) स्वामी दयानन्दः कः आसीत् - उत्तर - समाजोद्धारकः। | |
| (छ) बालकस्य नाम किम् इति कृतम् - उत्तर - मूलशंकरः। | |
| (ज) शंकरस्य विग्रहभारत के विग्रहार्पितानि द्रव्यानि भक्षणमन्त्रि - उत्तर - भूषकाः। | |
| (झ) स्वामी दयानन्दः कस्य संस्थापकः आसीत् - उत्तर - आर्य समाजस्य। | |
| (ञ) मध्यकाल के केषु आडम्बरः आसीत् - उत्तर - धार्मिकोपेक्षु। | |
| (ट) तत्र विधवाणां स्थिति किदृशी आसीत् - उत्तर - गहिना। | |
| (ठ) कस्य शास्त्र प्रशारक दैरी विदेशेषु वर्तते - उत्तर - आर्य समाजस्य। | |
| (ड) मूलशंकरस्य किं प्रति अनास्था जाता - उत्तर - मूर्तिपूजा। | |
| (ढ) समाज प्रकाशस्य रचनाकारः कः - उत्तर - स्वामी दयानन्दः। | |
| (ण) स्वामी दयानन्दस्य जन्म कदा अभवत् - उत्तर - 1824 ई०। | |
| (त) आर्य समाजस्य संस्थापनाः स्थापना कुत्र कदा - अभवत् - उत्तर - मुम्बई नगरे 1875 ई०। | |